अनुक्रमणिका

अध्याय - 1 "खंडकाव्य: सैध्दान्तिक विवेचन" 1- 17

1) खंडकाव्य परिचय 2) काव्य का वर्गीकरण 3) खंडकाव्य हिंदी में स्वरुप 4) खंडकाव्य -परिभाषा 5) खंडकाव्य के लक्षण अ)कथावस्तु ब)पात्र क) उद्देश्य 6) खंडकाव्य वर्गीकरण 7) खंडकाव्य और अन्य समान काव्यरुप अ) खंडकाव्य एवं महाकाव्य ब) खंडकाव्य एवं एकार्थ काव्य क) खंडकाव्य एवं कथाकाव्य ड) खंडकाव्य एवं मिश्रकाव्य इ) खंडकाव्य एवं गीतिकाव्य 8) आधुनिक हिंदी खंडकाव्य परंपरा।

अध्याय - 2 "नरेंद्र शर्मा जीवन तथा काव्ययात्रा" 18- 36

1) नरेंद्र शर्मा का परिचय 2) पहली रचना आँसू का प्रकाशन 3) शूलफूल एवं कर्णफूल और प्रभात फेरी 4) प्रवासी के गीत 5) पलाशवन 6) कामिनी 7) मिट्टी और फूल 8) हंसमाला 9) रक्तचंदन 10) अग्निशस्त्र 11) कदलीवन 12) द्रौपदी 13) उत्तरजय 14) बहुत रात गए 15) सुवर्णा 16) सुवीरा 17) कविश्री और आधुनिक कवि।

अध्याय - 3 "नरेंद्र शर्मा के खंडकाव्य : वस्तुविन्यास" 37- 58

1) द्रौपदी कथावस्तु अ) पहला सर्ग ब) दुसरा सर्ग क) तृतीय सर्ग ड) चतुर्थ सर्ग इ) पाँचवा सर्ग 2) उत्तरजय कथावस्तु 1) प्रवेश सूत्र 2) प्रत्यावर्तन 3) निर्यातचक्र 4) अमर्ष - विषाद 5) प्रतिशोध 6) परिणति 7) स्वीकृति 8) साधन 9) साध्य 10) समुदय 11) सिध्दि 12) प्रसिध्दि 13) प्रतीकात्मक कथा।

अध्याय - 4 " नरेंद्र शर्मा के खंडकाव्य : पात्रपरिकल्पना" 59- 86

1) द्रौपदी
1) द्रौपदी: 2) युधिष्ठिर 3) दुर्योधन 4) धृतराष्ट्र 5) शकुनि
2) उत्तरजय: 1) अश्वत्थामा 2) श्रीकृष्ण 3) विदुर 4) भीष्म पितामह 5) कुंती 6) गौण पात्र।

अध्याय - 5 "नरेंद्र शर्मा के खंडकाव्य: शिल्पविधान" 87- 110

1) भाषा 2) प्रतीक विधान 3) अलंकार योजना 4) छंद योजना

अध्याय - 6 'नरेंद्र शर्मा के खंडकाव्य जीवनदर्शन' 111- 124

1) द्रौपदी 1) आध्यात्मिक दृष्टिकोण 2) नारी के तेजबल का गुणगान 3) उदात्त भावोंकी काव्य निर्मिती

2) उत्तरजय 1) कर्मशील जीवन का संदेश 2) आदर्शवाद का यथार्थ से समन्वय 3) पीडा भोग का संदेश 4) अहिंसा का आदर्श 5) गीता के निष्काम साधना का संदेश 6) अत्याचार और अनाचार के विरुध्द शक्ति का प्रयोग 7) नारी ही पुरुष की कर्म प्रेरक शक्ति हैं।

अध्याय - 7 'समापन' 125- 135